



भारत सरकार
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय
भारत मौसम विज्ञान विभाग



प्रेस विज्ञप्ति

तारीख: 11 अगस्त, 2026

जारी करने का समय: 1341 घंटे

विषय: (i) उत्तर-पश्चिम मध्य प्रदेश के ऊपर बने कम दबाव वाले क्षेत्र के असर से, आज 11 अगस्त को पूर्वी राजस्थान में कहीं-कहीं बहुत ज्यादा बारिश और 12 अगस्त, 2026 को बहुत भारी बारिश होने की संभावना है।
(ii) इस हफ्ते ज्यादातर दिनों में पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र में कहीं-कहीं भारी से बहुत भारी बारिश और उत्तर-पश्चिम भारत के मैदानी इलाकों में कहीं-कहीं भारी बारिश होने की संभावना है।
(iii) 12 अगस्त, 2026 के आसपास उत्तर-पश्चिम बंगाल की खाड़ी और उसके आस-पास के इलाकों में कम दबाव का क्षेत्र बनने की संभावना है। इसके असर से, 11 से 13 अगस्त, 2026 के दौरान ओडिशा में कहीं-कहीं भारी से बहुत भारी बारिश होने की संभावना है।

आज, 11 अगस्त, 2026 को सुबह 08:30 बजे IST तक पिछले 24 घंटों में हुआ मौसम:

- ❖ पूर्वी राजस्थान में कहीं-कहीं बहुत ज्यादा भारी बारिश (≥ 30 cm) दर्ज की गई है।
- ❖ पश्चिमी मध्य प्रदेश में बहुत ज्यादा भारी बारिश (≥ 21 cm) दर्ज की गई है।
- ❖ जम्मू-कश्मीर, पंजाब, पश्चिमी उत्तर प्रदेश और मेघालय में बहुत भारी बारिश (12-20 cm) दर्ज की गई है।
- ❖ गंगा के मैदानी इलाकों वाले पश्चिम बंगाल, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, हरियाणा, पश्चिमी राजस्थान, मध्य महाराष्ट्र, गुजरात क्षेत्र, तमिलनाडु, छत्तीसगढ़ और त्रिपुरा में भारी बारिश (7-11 cm) दर्ज की गई है।

मौसम प्रणालियाँ, पूर्वानुमान और चेतावनियाँ (अनुबंध I और II):

- ❖ मानसून ट्रफ सक्रिय है और निचले ट्रोपोस्फेरिक लेवल पर अपनी सामान्य स्थिति से दक्षिण की ओर है।
- ❖ कल उत्तरी मध्य प्रदेश और आसपास के इलाकों में बना कम दबाव क्षेत्र आज, 11 अगस्त 2026 को सुबह 08:30 बजे (IST) उत्तर-पश्चिमी मध्य प्रदेश के ऊपर था। इससे जुड़ा चक्रवाती परिसंचरण मध्य ट्रोपोस्फेरिक लेवल पर ऊंचाई के साथ दक्षिण की ओर झुक रहा है।
- ❖ पश्चिमी विक्षोभ मध्य ट्रोपोस्फेरिक वेस्टर्लीज़ में एक ट्रफ के रूप में है, जिसकी धुरी मध्य ट्रोपोस्फेरिक लेवल पर लगभग 68°E देशांतर के साथ 30°N अक्षांश के उत्तर की ओर है।
- ❖ ऊपरी ट्रोपोस्फेरिक लेवल पर उत्तर-पश्चिमी बंगाल की खाड़ी और आसपास के इलाकों में ऊपरी हवा का साइक्लोनिक सर्कुलेशन बना हुआ है, जो ऊंचाई के साथ दक्षिण-पश्चिम की ओर झुक रहा है। इसके असर से, 12 अगस्त 2026 के आसपास उसी इलाके में कम दबाव का क्षेत्र बनने की संभावना है।

ऊपर बताई गई प्रणालियों के असर से, निम्नलिखित मौसम की संभावना है:

उत्तर-पश्चिम भारत:

- ❖ 11 से 17 अगस्त के दौरान हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुज़फ़्फराबाद और उत्तराखंड में काफी ज्यादा से लेकर व्यापक बारिश होने की संभावना है।

- ❖ 14 अगस्त को पंजाब में; 11-12 अगस्त और 14-15 अगस्त के दौरान हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली में; 14-17 अगस्त के दौरान पूर्वी उत्तर प्रदेश में; 12 अगस्त को पश्चिमी राजस्थान में; 11-13 अगस्त के दौरान पूर्वी राजस्थान में काफी ज्यादा से लेकर व्यापक बारिश होने की संभावना है।
- ❖ उत्तर-पश्चिम भारत के बाकी हिस्सों में कहीं-कहीं या छिटपुट बारिश होने की संभावना है।
- ❖ 11-17 अगस्त के दौरान उत्तराखंड में और 11 अगस्त को पश्चिमी उत्तर प्रदेश में कहीं-कहीं आंधी-तूफान और बिजली गिरने की संभावना है।
- ❖ 12-17 अगस्त के दौरान जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुजफ्फराबाद में; 12-13 अगस्त और 15-17 अगस्त के दौरान हिमाचल प्रदेश में; 11-13 अगस्त और 15-17 अगस्त के दौरान उत्तराखंड में; 12 अगस्त और 14-17 अगस्त के दौरान पंजाब में; 14-17 अगस्त के दौरान हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली तथा पश्चिमी उत्तर प्रदेश में; 13-17 अगस्त के दौरान पूर्वी उत्तर प्रदेश में; 11-12 अगस्त के दौरान पश्चिमी राजस्थान में; 11 अगस्त और 13-14 अगस्त के दौरान पूर्वी राजस्थान में कहीं-कहीं भारी बारिश होने की संभावना है। साथ ही, 11 अगस्त को हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली, जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुजफ्फराबाद, पंजाब और पश्चिमी उत्तर प्रदेश में; 11 अगस्त और 14 अगस्त को हिमाचल प्रदेश में; 14 अगस्त को उत्तराखंड में; 12 अगस्त को पूर्वी राजस्थान में कहीं-कहीं बहुत भारी बारिश होने की भी संभावना है।
- ❖ 11 अगस्त को पूर्वी राजस्थान में कुछ जगहों पर भारी से बहुत भारी और कहीं-कहीं अत्यधिक भारी बारिश होने की संभावना है।

मध्य भारत:

- ❖ 11-15 अगस्त के दौरान पश्चिमी मध्य प्रदेश; 11-17 अगस्त के दौरान छत्तीसगढ़ और पूर्वी मध्य प्रदेश; 12-13 अगस्त और 17 अगस्त को विदर्भ में काफी ज्यादा या व्यापक बारिश होने की संभावना है।
- ❖ 16-17 अगस्त के दौरान पश्चिमी मध्य प्रदेश; 11 अगस्त और 14-16 अगस्त के दौरान विदर्भ में कहीं-कहीं या छिटपुट बारिश होने की संभावना है।
- ❖ 11-15 अगस्त के दौरान छत्तीसगढ़ में कहीं-कहीं आंधी-तूफान और बिजली गिरने की संभावना है।
- ❖ 11-13 अगस्त के दौरान पश्चिमी मध्य प्रदेश; 13-16 अगस्त के दौरान पूर्वी मध्य प्रदेश; 11-14 अगस्त के दौरान छत्तीसगढ़ में कहीं-कहीं भारी बारिश होने की संभावना है, साथ ही 11 अगस्त को पश्चिमी मध्य प्रदेश में कहीं-कहीं बहुत भारी बारिश भी हो सकती है।

पूर्वी भारत:

- ❖ 11-17 अगस्त के दौरान अंडमान और निकोबार द्वीप समूह, गंगा के मैदानी इलाकों वाले पश्चिम बंगाल और ओडिशा; 12-17 अगस्त के दौरान झारखंड और उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम; 14-17 अगस्त के दौरान बिहार में काफी ज्यादा या व्यापक बारिश होने की संभावना है।
- ❖ 11 अगस्त को झारखंड और उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम; 11-13 अगस्त के दौरान बिहार में कहीं-कहीं या छिटपुट बारिश होने की संभावना है।
- ❖ 11 अगस्त को बिहार और ओडिशा में कहीं-कहीं आंधी-तूफान और बिजली गिरने की संभावना है।
- ❖ 12-13 अगस्त के दौरान अंडमान और निकोबार द्वीप समूह; 11-17 अगस्त के दौरान उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम; 11 अगस्त और 13-15 अगस्त के दौरान गंगा के मैदानी इलाकों वाले पश्चिम बंगाल; 13-15 अगस्त के दौरान झारखंड; 14-17 अगस्त के दौरान बिहार और ओडिशा में कहीं-कहीं भारी बारिश होने की संभावना है, साथ ही 12 अगस्त को गंगा के मैदानी इलाकों वाले पश्चिम बंगाल; 11-13 अगस्त के दौरान ओडिशा में कहीं-कहीं बहुत भारी बारिश भी हो सकती है।
- ❖ 11-12 अगस्त के दौरान अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में तेज़ हवाओं के साथ आंधी (हवा की गति 50-60 किमी/घंटा, झोंकों के साथ 70 किमी/घंटा तक) आने की संभावना है।
- ❖ 11 तारीख को गंगा के किनारे वाला पश्चिम बंगाल, ओडिशा और 11 और 12 अगस्त को झारखंड में मध्यम से लेकर जबरदस्त बिजली कड़कने की गतिविधि हो सकती है।

पूर्वोत्तर भारत:

- ❖ 11 अगस्त को अरुणाचल प्रदेश और असम व मेघालय में कहीं-कहीं या कुछ जगहों पर बारिश होने की संभावना है।
- ❖ 12-17 अगस्त के दौरान अरुणाचल प्रदेश और असम व मेघालय में; और 11-17 अगस्त के दौरान नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में काफी बड़े इलाके में या पूरे इलाके में बारिश होने की संभावना है।
- ❖ 11-15 अगस्त के दौरान अरुणाचल प्रदेश, असम व मेघालय और नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम व त्रिपुरा में कहीं-कहीं आंधी-तूफान और बिजली गिरने की संभावना है।
- ❖ 12-14 अगस्त के दौरान अरुणाचल प्रदेश में; 11-14 अगस्त के दौरान असम व मेघालय में; 11-17 अगस्त के दौरान नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में कहीं-कहीं भारी बारिश होने की संभावना है। साथ ही, 15-17 अगस्त के दौरान अरुणाचल प्रदेश और असम व मेघालय में कहीं-कहीं बहुत भारी बारिश होने की भी संभावना है।

पश्चिमी भारत:

- ❖ 11-17 अगस्त के दौरान कोंकण और गोवा में; 11-12 अगस्त के दौरान मध्य महाराष्ट्र में; 11-13 अगस्त के दौरान गुजरात क्षेत्र में काफी बड़े इलाके में या पूरे इलाके में बारिश होने की संभावना है।
- ❖ 13-17 अगस्त के दौरान मध्य महाराष्ट्र में; 11-17 अगस्त के दौरान मराठवाड़ा और सौराष्ट्र व कच्छ में; 14-17 अगस्त के दौरान गुजरात क्षेत्र में कहीं-कहीं या कुछ जगहों पर बारिश होने की संभावना है।
- ❖ 11-12 अगस्त के दौरान गुजरात क्षेत्र और सौराष्ट्र व कच्छ में कहीं-कहीं आंधी-तूफान और बिजली गिरने की संभावना है।
- ❖ 11-15 अगस्त के दौरान कोंकण और गोवा में; 11 अगस्त और 13-15 अगस्त के दौरान मध्य महाराष्ट्र में; 11-12 अगस्त के दौरान गुजरात क्षेत्र में कहीं-कहीं भारी बारिश होने की संभावना है। साथ ही, 12 अगस्त को मध्य महाराष्ट्र में कहीं-कहीं बहुत भारी बारिश होने की भी संभावना है।

दक्षिण प्रायद्वीपीय भारत:

- ❖ 11-17 अगस्त के दौरान तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, रायलसीमा और तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल में; 16-17 अगस्त के दौरान लक्षद्वीप में कहीं-कहीं या कुछ जगहों पर बारिश होने की संभावना है। 12-17 अगस्त के दौरान उत्तरी आंतरिक कर्नाटक और दक्षिणी आंतरिक कर्नाटक; 11-16 अगस्त के दौरान तेलंगाना।
- ❖ 11-17 अगस्त के दौरान तटीय कर्नाटक और केरल व माहे में; 11-15 अगस्त के दौरान लक्षद्वीप में; 11 अगस्त को उत्तरी आंतरिक कर्नाटक और दक्षिणी आंतरिक कर्नाटक में काफी व्यापक से व्यापक बारिश की संभावना है।
- ❖ 11-13 अगस्त के दौरान तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, उत्तरी आंतरिक कर्नाटक, रायलसीमा और तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल में कहीं-कहीं गरज के साथ बारिश, बिजली गिरने और तेज हवाओं (40-50 किमी/घंटा की गति, झोंकों के साथ 60 किमी/घंटा तक) की संभावना है; साथ ही 11-13 अगस्त के दौरान तटीय कर्नाटक और दक्षिणी आंतरिक कर्नाटक में; और 11-14 अगस्त के दौरान तेलंगाना में तेज हवाओं (30-40 किमी/घंटा की गति, झोंकों के साथ 50 किमी/घंटा तक) की संभावना है।
- ❖ 11-13 अगस्त के दौरान तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, तटीय कर्नाटक, उत्तरी आंतरिक कर्नाटक, रायलसीमा और दक्षिणी आंतरिक कर्नाटक में; और 11-14 अगस्त के दौरान तेलंगाना में सतह पर तेज हवाएं चलने की संभावना है।

मछुआरों के लिए चेतावनी:

- ❖ अरब सागर: 15 अगस्त तक सोमालिया और ओमान तट के साथ और उससे दूर, पश्चिम-मध्य अरब सागर के अधिकांश हिस्सों और उत्तर व पूर्व-मध्य अरब सागर से सटे दक्षिण-पश्चिम अरब सागर के कुछ हिस्सों में;
- ❖ बंगाल की खाड़ी: 11 से 15 अगस्त के दौरान पश्चिम बंगाल, ओडिशा तटों के साथ और उनसे दूर, उत्तर-पश्चिम और उससे सटे उत्तर-पूर्व बंगाल की खाड़ी के अधिकांश हिस्सों में; 13 से 15 अगस्त के दौरान उत्तरी आंध्र प्रदेश तटों से दूर, पश्चिम-मध्य और उससे सटे पूर्व-मध्य बंगाल की खाड़ी के कुछ हिस्सों में; 15 अगस्त तक अंडमान सागर के ऊपर; 15 अगस्त तक दक्षिण श्रीलंका तटों और कोमोरिन क्षेत्र से सटे दक्षिण-पश्चिम बंगाल की खाड़ी के कुछ हिस्सों में।

अगले 4 दिनों के दौरान दिल्ली/NCR में मौसम की स्थिति और पूर्वानुमान (अनुलग्नक III देखें)

अधिक जानकारी के लिए, कृपया राष्ट्रीय मौसम बुलेटिन देखें:

https://mausam.imd.gov.in/responsive/all_india_forecast_bulletin.php

जिला-वार चेतावनियों के लिए: <https://mausam.imd.gov.in/responsive/districtWiseWarningGIS.php>

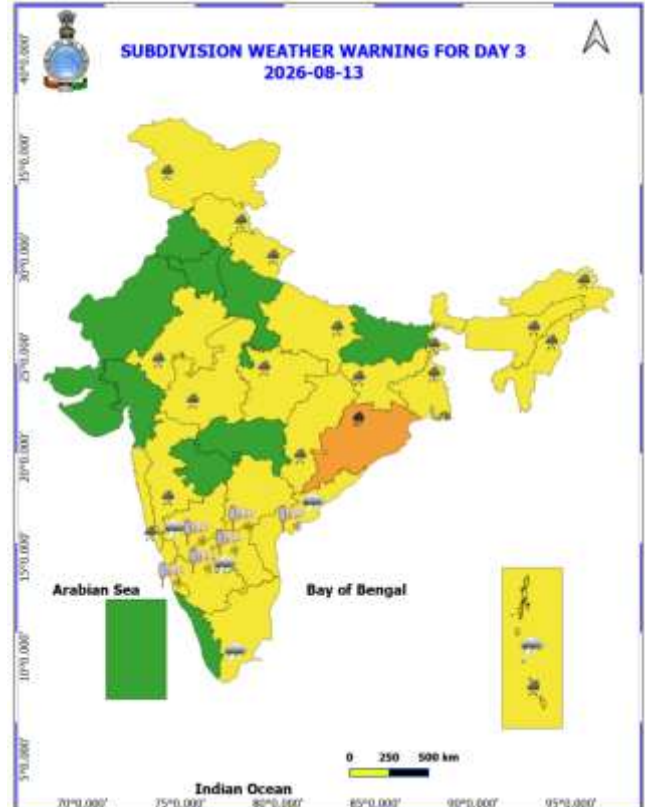
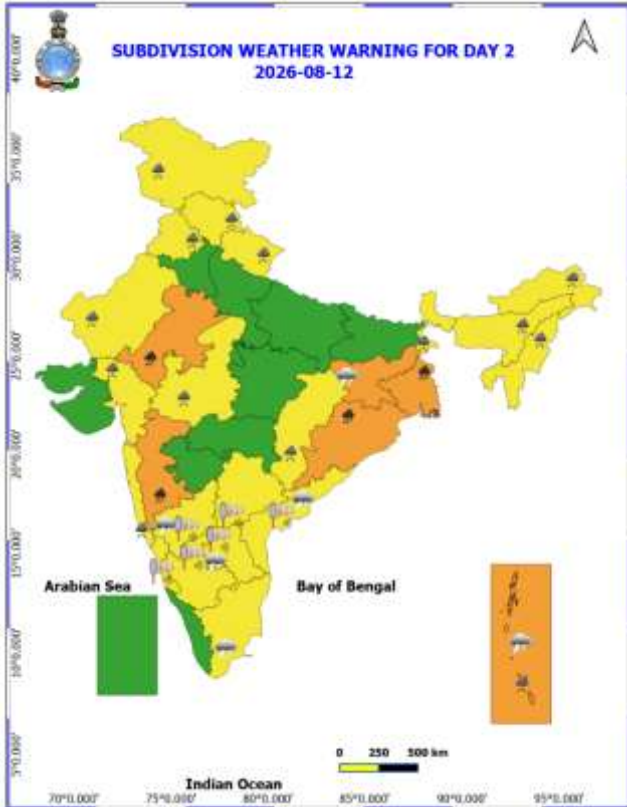
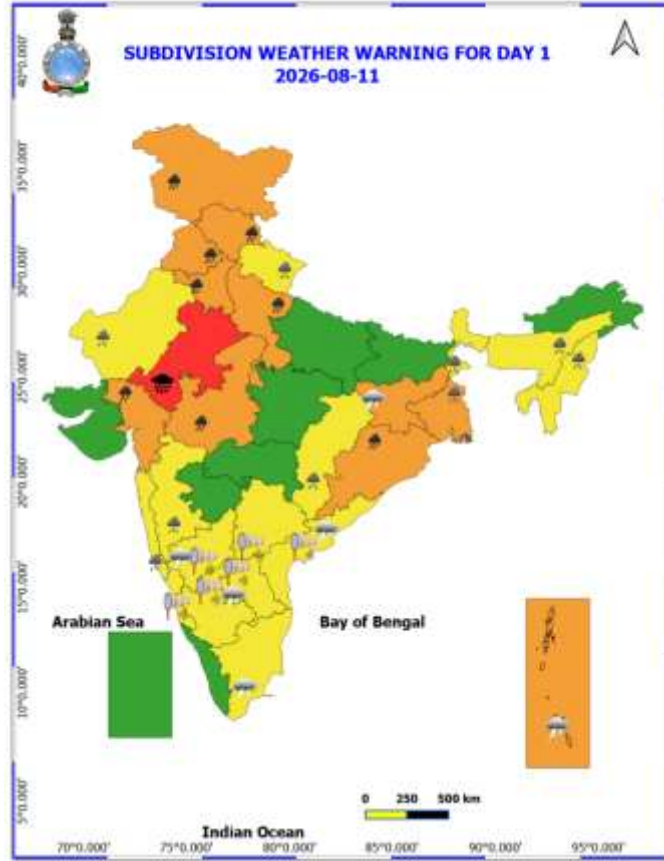
मछुआरों की चेतावनी के लिए: <https://rsmcnewdelhi.imd.gov.in/fishermen-warning.php>

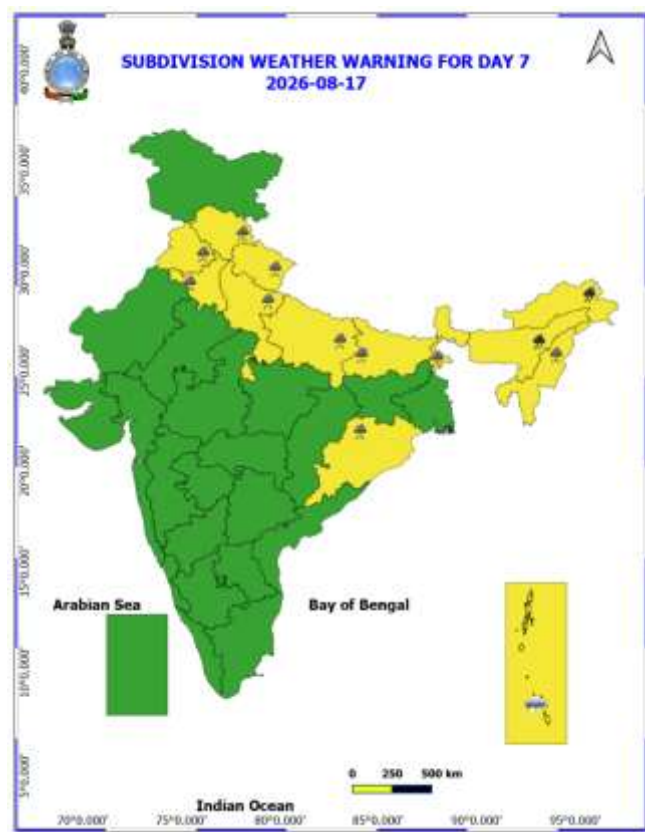
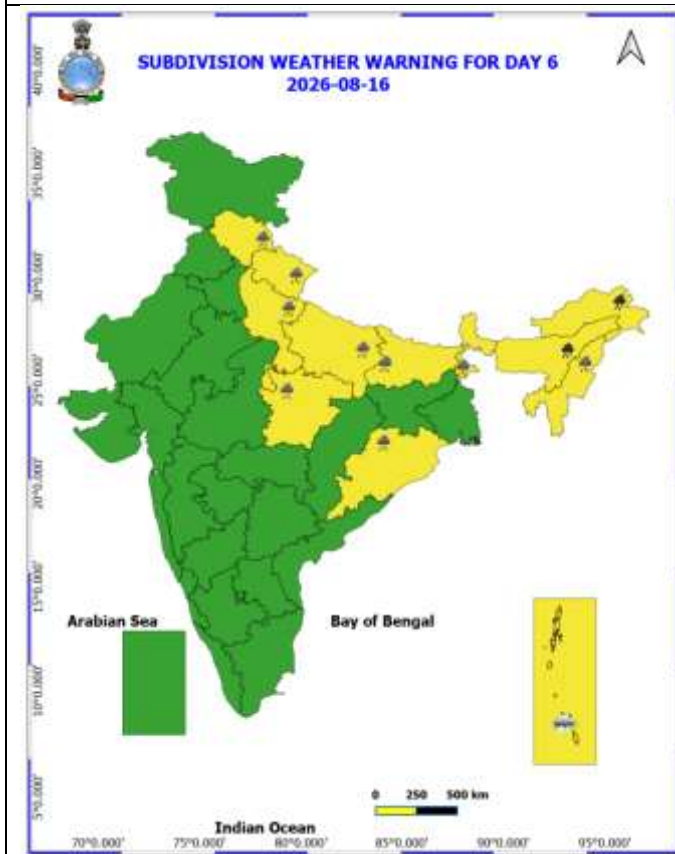
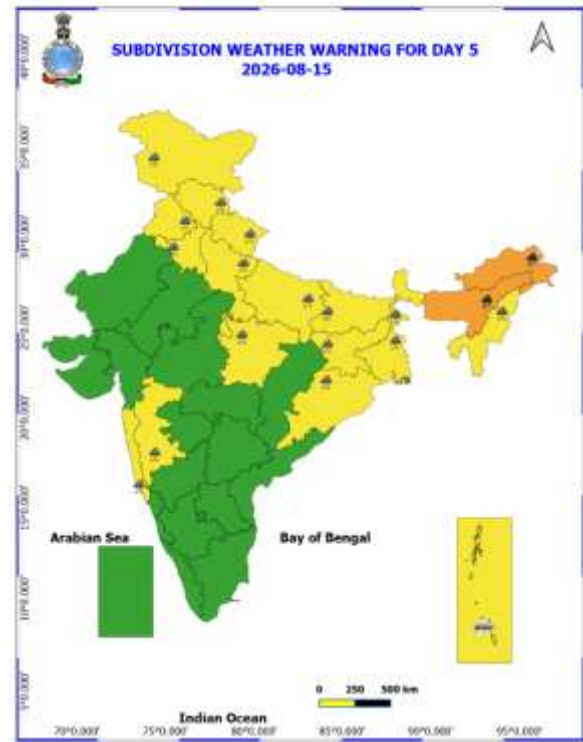
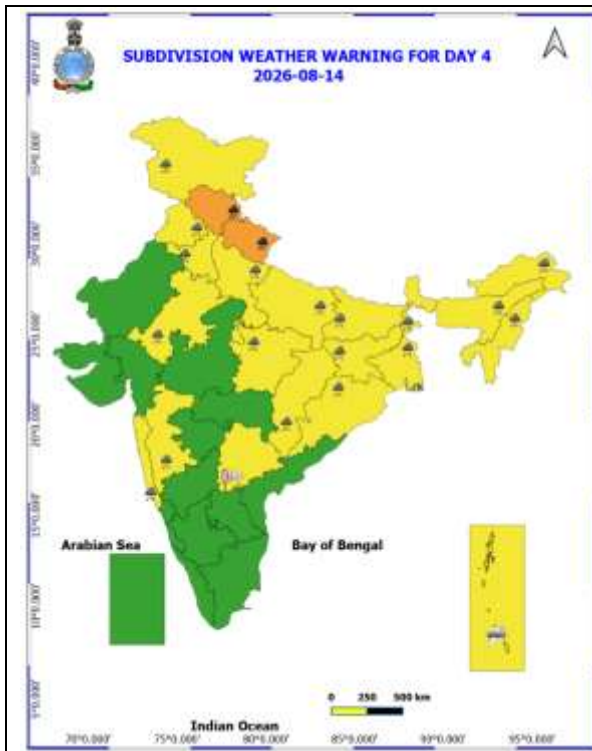
सबसे ज़्यादा बारिश (≥ 7 सेमी) (कल सुबह 08:30 IST से आज सुबह 08:30 IST तक अलग-अलग मौसम संबंधी उप-मंडल में):

- ❖ पूर्वी राजस्थान: सुनेल (झालावाड़) 30
- ❖ पश्चिमी मध्य प्रदेश: ब्यावरा (राजगढ़) 23
- ❖ जम्मू-कश्मीर: कठुआ 16
- ❖ पश्चिमी उत्तर प्रदेश: मुज़फ्फरनगर 14
- ❖ पंजाब: माधोपुर (जिला पठानकोट) 12
- ❖ मेघालय: तुरा 12
- ❖ उत्तराखंड: खानपुर 11
- ❖ त्रिपुरा: सोनामुरा 11
- ❖ गंगीय पश्चिम बंगाल: दम दम 10
- ❖ हिमाचल प्रदेश: भटियात (चंबा) 10
- ❖ गुजरात क्षेत्र: गोधर 9
- ❖ तमिलनाडु: सेंदुरई (जिला अरियालुर), तिरुपुवनम (जिला शिवगंगई) 9
- ❖ हरियाणा: बाबैन रेव (जिला कुरूक्षेत्र) 8
- ❖ पश्चिमी राजस्थान: नावा (नागौर) 7
- ❖ मध्य महाराष्ट्र: गगनबावड़ा (खोलापुर) 7
- ❖ छत्तीसगढ़: बिलासपुर 7

Table-1								
7 Days Rainfall Forecast								
S.No.	Subdivision	11- Aug	12- Aug	13- Aug	14- Aug	15- Aug	16- Aug	17- Aug
		Day 1	Day 2	Day 3	Day 4	Day 5	Day 6	Day 7
1	ANDAMAN & NICOBAR ISLANDS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS
2	ARUNACHAL PRADESH	SCT	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS
3	ASSAM & MEHGHALAYA	SCT	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS
4	NAGALAND, MANIPUR, MIZORAM AND TRIPURA	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS
5	SUB HIMALAYAN WEST BENGAL & SIKKIM	SCT	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS
6	GANGETIC WEST BENGAL	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS
7	ODISHA	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS
8	JHARKHAND	SCT	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS
9	BIHAR	ISOL	SCT	SCT	FWS	FWS	FWS	FWS
10	EAST UTTAR PRADESH	ISOL	ISOL	SCT	FWS	FWS	FWS	FWS
11	WEST UTTAR PRADESH	SCT	ISOL	ISOL	SCT	SCT	SCT	SCT
12	UTTARAKHAND	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS
13	HARYANA, CHANDIGARH & DELHI	FWS	FWS	SCT	FWS	FWS	SCT	SCT
14	PUNJAB	SCT	SCT	ISOL	FWS	SCT	ISOL	SCT
15	HIMACHAL PRADESH	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS
16	JAMMU AND KASHMIR AND LADAKH	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS
17	WEST RAJASTHAN	SCT	FWS	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
18	EAST RAJASTHAN	FWS	FWS	FWS	SCT	SCT	ISOL	ISOL
19	WEST MADHYA PRADESH	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	SCT	SCT
20	EAST MADHYA PRADESH	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS
21	GUJRAT REGION	FWS	FWS	FWS	SCT	SCT	SCT	SCT
22	SAURASHTRA & KUTCH	SCT	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
23	KONKAN & GOA	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS
24	MADHYA MAHARASHTRA	FWS	FWS	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT
25	MARATHWADA	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
26	VIDARBHA	SCT	FWS	FWS	SCT	SCT	SCT	FWS
27	CHHATTISGARH	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS
28	COASTAL ANDHRA PRADESH	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT	ISOL	ISOL
29	TELANGANA	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
30	RAYALASEEMA	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
31	TAMILNADU & PUDUCHERRY	SCT	ISOL	SCT	SCT	ISOL	ISOL	ISOL
32	COSTAL KARNATAKA	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS
33	NORTH INTERIOR KARNATAKA	FWS	SCT	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
34	SOUTH INTERIOR KARNATAKA	FWS	SCT	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
35	KERALA AND MAHE	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS
36	LAKSHADWEEP	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	SCT	SCT

- जैसे-जैसे लीड पीरियड बढ़ता है पूर्वानुमान सटीकता कम हो जाती है।





- नारंगी और लाल रंग की चेतावनियों के आधार पर कार्रवाई की जा सकती है।
- असुरक्षित क्षेत्रों में भारी वर्षा की चेतावनी के लिए शहरी और पहाड़ी क्षेत्रों में कार्रवाई शुरू की जा सकती है।
- जैसे-जैसे समय बढ़ता है, पूर्वानुमान की सटीकता कम होती जाती है।

अगले पाँच दिनों के लिए जिलेवार विस्तृत बहु-जोखिम मौसम चेतावनी यहाँ उपलब्ध है

<https://mausam.imd.gov.in/responsive/districtWiseWarningGIS.php>

11 अगस्त से 14 अगस्त 2026 के दौरान दिल्ली/NCR में मौसम का पूर्वानुमान

पिछला मौसम:

पिछले 24 घंटों में दिल्ली में अधिकतम तापमान में कोई बड़ा बदलाव नहीं हुआ है और न्यूनतम तापमान में 1°C तक की गिरावट आई है। पिछले 24 घंटों में दिल्ली में अधिकतम तापमान $34-35^{\circ}\text{C}$ और न्यूनतम तापमान $23-27^{\circ}\text{C}$ के बीच रहा। कुछ जगहों पर न्यूनतम तापमान सामान्य से कम (-1.6°C से -3.0°C) और दिल्ली के बाकी हिस्सों में सामान्य (-1.5°C से 1.5°C) रहा। कुछ जगहों पर अधिकतम तापमान सामान्य से अधिक (1.6°C से 3.0°C) और दिल्ली के बाकी हिस्सों में सामान्य (-1.5°C से 1.5°C) रहा। पिछले 24 घंटों में दिल्ली में कई जगहों पर बहुत हल्की से हल्की बारिश और कुछ जगहों पर मध्यम बारिश हुई। पिछले 24 घंटों में दिल्ली में आसमान आमतौर पर बादल छाए रहे और दक्षिण-पूर्व दिशा से 16 किमी/घंटा की गति से हवा चली, जिसके झोंके 36 किमी/घंटा तक पहुँचे। आज सुबह के समय इस इलाके में दक्षिण-पूर्व दिशा से 12 किमी/घंटा तक की गति से हवा चलने और आसमान में आमतौर पर बादल छाए रहने की संभावना है।

मौसम का पूर्वानुमान:

11.08.2026: आसमान आमतौर पर बादल छाए रहेंगे। दोपहर से शाम के बीच ज्यादातर जगहों पर हल्की से मध्यम बारिश और कुछ जगहों पर भारी बारिश हो सकती है। रात के समय बहुत हल्की से हल्की बारिश का एक और दौर हो सकता है। दिल्ली में अधिकतम तापमान $30-32^{\circ}\text{C}$ के बीच रहने की संभावना है। दिल्ली में ज्यादातर जगहों पर अधिकतम तापमान सामान्य से कम (-1.6°C से -3.0°C) रहेगा। दोपहर के समय दक्षिण-पूर्व दिशा से हवा चलने की संभावना है, जिसकी गति 15 किमी/घंटा तक हो सकती है। शाम और रात के समय हवा की गति कम होकर दक्षिण-पूर्व दिशा से 12 किमी/घंटा तक हो जाएगी।

12.08.2026: आसमान आमतौर पर बादल छाए रहेंगे। दोपहर से शाम के समय बहुत हल्की बारिश के एक या दो दौर होने की संभावना है। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 34°C से 36°C और 24°C से 26°C के बीच रहने की संभावना है। ज्यादातर जगहों पर न्यूनतम तापमान सामान्य से कम (-1.6°C से -3.0°C) रहेगा, और दिल्ली में ज्यादातर जगहों पर अधिकतम तापमान सामान्य के आसपास (-1.5°C से 1.5°C) रहेगा। ज़मीन के पास मुख्य हवा दक्षिण-पूर्व दिशा से चलने की संभावना है, जिसकी गति सुबह के समय 12 किमी/घंटा तक पहुँच सकती है। दोपहर के समय दक्षिण-पूर्व दिशा से हवा की गति कम होकर 10 किमी/घंटा तक हो जाएगी। शाम और रात के समय दक्षिण-पूर्व दिशा से हवा की गति बढ़कर 15 किमी/घंटा तक हो जाएगी।

13.08.2026: आम तौर पर आसमान में बादल छाए रहेंगे। सुबह से शाम के बीच एक-दो बार बहुत हल्की बारिश होने की संभावना है। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 33°C से 35°C और 24°C से 26°C के बीच रहने की संभावना है। दिल्ली में ज्यादातर जगहों पर न्यूनतम तापमान सामान्य से कम (-1.6°C से -3.0°C) रहेगा, और अधिकतम तापमान सामान्य के आसपास (-1.5°C से 1.5°C) रहेगा। ज़मीन के पास मुख्य हवा उत्तर-पश्चिम दिशा से चलने की संभावना है, जिसकी गति सुबह के समय 20 किमी/घंटा तक पहुँच सकती है। दोपहर के समय उत्तर-पश्चिम दिशा से हवा की गति कम होकर 18 किमी/घंटा तक हो जाएगी। शाम और रात के समय पश्चिम दिशा से हवा की गति बढ़कर 25 किमी/घंटा तक हो जाएगी।

14.08.2026: आम तौर पर आसमान में बादल छाए रहेंगे। सुबह से दोपहर से पहले तक कई जगहों पर बहुत हल्की से हल्की बारिश हो सकती है। दोपहर से शाम के बीच कई जगहों पर एक बार फिर बहुत हल्की से हल्की बारिश हो सकती है। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 32°C से 34°C और 24°C से 26°C के बीच रहने की संभावना है। दिल्ली में ज्यादातर जगहों पर न्यूनतम तापमान सामान्य (-1.5°C से 1.5°C) के आस-पास रहेगा और अधिकतम तापमान भी सामान्य (-1.5°C से 1.5°C) के आस-पास ही रहेगा। ज़मीन के पास मुख्य रूप से उत्तर-पश्चिम दिशा से हवा चलने की संभावना है, जिसकी रफ्तार सुबह के समय 25 किमी/घंटा तक हो सकती है। दोपहर के समय हवा की रफ्तार कम होकर 15 किमी/घंटा तक रह जाएगी और हवा दक्षिण-पश्चिम दिशा से चलेगी। शाम और रात के समय हवा की रफ्तार और कम होकर 12 किमी/घंटा तक रह जाएगी और हवा दक्षिण दिशा से चलेगी।

बहुत भारी बारिश के कारण संभावित असर और सुझाए गए उपाय:

- ❖ 11 अगस्त को पूर्वी राजस्थान में कुछ जगहों पर भारी से बहुत भारी बारिश और कुछ अलग-अलग जगहों पर बहुत ज्यादा बारिश होने की संभावना है।
- ❖ 11 अगस्त को पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र, पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली, पश्चिमी उत्तर प्रदेश, पश्चिमी मध्य प्रदेश, गुजरात क्षेत्र और ओडिशा में कहीं-कहीं बहुत भारी बारिश होने की संभावना है।
- ❖ 11 अगस्त को गंगा के मैदानी इलाकों वाले पश्चिम बंगाल और ओडिशा में, तथा 11 और 12 अगस्त को झारखंड में मध्यम से लेकर तेज़ बिजली कड़कने की गतिविधि हो सकती है।

संभावित असर:

- ❖ पेड़ों की टहनियां टूट सकती हैं और केले, पपीते व सहजन जैसे छोटे पेड़ उखड़ सकते हैं। तेज़ हवा और बारिश से बागवानी और खड़ी फसलों को नुकसान हो सकता है।
- ❖ तेज़ हवा और बारिश के कारण कमज़ोर ढांचों को आंशिक नुकसान हो सकता है।
- ❖ भारी बारिश के कारण कच्चे घरों/दीवारों, झोपड़ियों और सड़कों को मामूली नुकसान हो सकता है।
- ❖ हल्की चीज़ें उड़ सकती हैं।
- ❖ छोटी नावें, ट्रॉलर और अन्य नौकाएं प्रभावित हो सकती हैं।
- ❖ भारी बारिश और तेज़ हवाओं के कारण सड़क और रेल यातायात प्रभावित हो सकता है।
- ❖ निचले इलाकों में कहीं-कहीं भूस्खलन, कीचड़ का बहाव, ज़मीन खिसकने, जलभराव और बाढ़ की स्थिति बन सकती है।
- ❖ भारी बारिश के कारण कभी-कभी दृश्यता (visibility) कम हो सकती है।
- ❖ हेलीकॉप्टर सेवाएं प्रभावित हो सकती हैं।

सुझाए गए उपाय:

- ❖ लोगों को सलाह दी जाती है कि वे मौसम की बिगड़ती स्थिति पर नज़र रखें और ज़रूरत पड़ने पर सुरक्षित स्थानों पर जाने के लिए तैयार रहें।
- ❖ सुरक्षित आश्रय लें; पेड़ों के नीचे शरण न लें, क्योंकि बिजली गिर सकती है।
- ❖ बिजली गिरने की आशंका होने पर, बिजली/इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों का प्लग निकाल दें, तुरंत जलाशयों से बाहर निकल आएं और बिजली के सुचालक पदार्थों से दूर रहें।
- ❖ पर्यटन और मनोरंजक गतिविधियों को नियंत्रित किया जाए।
- ❖ तटीय और समुद्र में होने वाली गतिविधियों को समझदारी से नियंत्रित किया जाए।
- ❖ हेलीकॉप्टर सेवाओं को नियंत्रित किया जाए।

भारी बारिश के संभावित असर के लिए कृषि मौसम परामर्श

- ❖ जम्मू और कश्मीर में, मक्का, मूंग, उड़द और सब्जियों के खेतों में पानी जमा होने से बचाने के लिए जल निकासी की उचित व्यवस्था करें। धान की रोपाई वाली फसल में सिंचाई अभी न करें। जल्दी बोई गई मक्का की फसल की पक चुकी भुट्टों की कटाई करें और उपज को सुरक्षित स्थान पर रखें।
- ❖ हिमाचल प्रदेश में, जहाँ भी संभव हो मटर की फलियों और सब्जियों (टमाटर, शिमला मिर्च, बैंगन आदि) की कटाई करें और कटी हुई उपज को सुरक्षित स्थान पर रखें। धान, मक्का, रागी, टमाटर, बैंगन, शिमला मिर्च, मिर्च और खीरे के खेतों तथा सेब और नाशपाती के बागों में अतिरिक्त वर्षा जल को जल्दी निकालने के लिए जल निकासी की उचित व्यवस्था बनाए रखें।
- ❖ उत्तराखंड में, धान, गन्ना, उड़द, मूंग, सोयाबीन, मक्का, मूंगफली, तिल, झंगोरा (बार्नयार्ड मिलेट), रागी, टमाटर और मिर्च के खेतों में लंबे समय तक पानी जमा होने से बचाने के लिए जल निकासी सुनिश्चित करें। जहाँ खेत की स्थिति अनुकूल हो, वहाँ पक चुके टमाटर, फ्रेंच बीन और आलू की कटाई करें।

- ❖ पंजाब में, गन्ने के खेत में पानी जमा होने से बचाने के लिए जल निकासी सुनिश्चित करें। भारी बारिश के बाद यदि मक्का के खेतों में पानी जमा हो जाता है, तो पौधों को बैक्टीरियल स्टॉक रॉट (बैक्टीरिया से होने वाली तने की सड़न) से बचाने के लिए अतिरिक्त पानी निकाल दें।
- ❖ हरियाणा में, जल जमाव को रोकने के लिए खड़ी फसलों वाले खेतों में जल निकासी की उचित व्यवस्था सुनिश्चित करें और खेतों व बागों से अतिरिक्त वर्षा जल को तुरंत निकालें।
- ❖ पश्चिमी उत्तर प्रदेश में, अरहर, मक्का, मूंगफली, तिल, धान, सब्जियों और अन्य खड़ी फसलों के खेतों से, विशेषकर निचले इलाकों से जहाँ पानी जमा होने की संभावना रहती है, अतिरिक्त वर्षा जल निकालने के लिए जल निकासी की उचित व्यवस्था बनाए रखें।
- ❖ राजस्थान में, पहले से बोई गई बाजरा, मूंग, तिल, मोठ बीन, ग्वार, अन्य खड़ी फसलों और सब्जियों के खेतों से जल निकासी की उचित व्यवस्था सुनिश्चित करें।
- ❖ ओडिशा में, धान की नर्सरी और खरीफ फसलों जैसे मक्का, दालों (मूंग, उड़द, अरहर), तिलहनों (मूंगफली, तिल), कपास, सब्जियों और फलों के बागों में जल जमाव को रोकने के लिए प्रभावी जल निकासी व्यवस्था बनाए रखें। केले, पपीते, गन्ने, टमाटर और बेल वाली सब्जियों को सहारा (स्टेकिंग) दें।
- ❖ पश्चिम बंगाल में, धान की नर्सरी और धान, अदरक, टमाटर, मिर्च, डल्ले खोरसानी (मिर्च की एक किस्म), रागी और फलों के बागों में जल जमाव को रोकने के लिए जल निकासी की उचित व्यवस्था बनाए रखें। धान की रोपाई वाले खेतों में मेड़ों को मजबूत करें।
- ❖ पश्चिमी मध्य प्रदेश में, सोयाबीन, मक्का और दूसरी खड़ी फसलों के खेतों से ज्यादा बारिश का पानी निकाल दें ताकि जलभराव न हो। कद्दू-वर्गीय सब्जियों को सहारा (स्टेकिंग) दें।
- ❖ छत्तीसगढ़ में, नर्सरी और निचले खेतों में पानी जमा होने से बचाने के लिए पानी की निकासी का अच्छा इंतज़ाम करें।
- ❖ कोंकण में, हल्दी, मूंगफली, रोपाई वाले धान और रागी, प्रोसो मिलेट, सब्जियों के खेतों और बागों से ज्यादा बारिश का पानी निकालने के लिए ज़रूरी इंतज़ाम करें। निचले इलाकों से ज्यादा पानी निकाल दें ताकि लंबे समय तक जलभराव न रहे।
- ❖ मध्य महाराष्ट्र के घाट इलाकों में, धान की नर्सरी और खरीफ फसलों जैसे मक्का, कपास, अरहर, मूंगफली, मूंग और उड़द के खेतों से पानी की सही निकासी सुनिश्चित करें।
- ❖ अरुणाचल प्रदेश में, धान, मक्का, सोयाबीन और रागी के खेतों, बागों और निचले इलाकों में पानी की सही निकासी सुनिश्चित करें ताकि लंबे समय तक जलभराव न रहे। बेलों को बांस के सहारे या मचान पर मज़बूती से बांधें ताकि वे गिरें नहीं।
- ❖ असम में, खेतों में पानी की निकासी की नालियों को साफ रखें और धान की नर्सरी, जूट, गन्ना, सोयाबीन, अरहर, तिल और सब्जियों के खेतों में पानी की सही निकासी बनाए रखें ताकि लंबे समय तक जलभराव न हो।
- ❖ मेघालय में, धान की नर्सरी और मक्का, लोबिया, भिंडी और अदरक के खेतों से पानी की सही निकासी सुनिश्चित करें ताकि लंबे समय तक जलभराव न हो। पानी की निकासी की नालियां तुरंत खोलें और केले व भारी फलों वाली दूसरी फसलों को सहारा दें।
- ❖ नागालैंड, मणिपुर, मिज़ोरम और त्रिपुरा में, सोयाबीन, उड़द, अदरक, हल्दी, गोभी-वर्गीय फसलों और सब्जियों के खेतों से पानी की सही निकासी सुनिश्चित करें ताकि पानी जमा न रहे। केले और दूसरी कमज़ोर फसलों को बांस का सहारा दें और धान व मूंगफली के खेतों में लंबे समय तक पानी जमा न होने दें।

तूफ़ान / तेज़ हवाओं के संभावित असर के लिए कृषि मौसम परामर्श

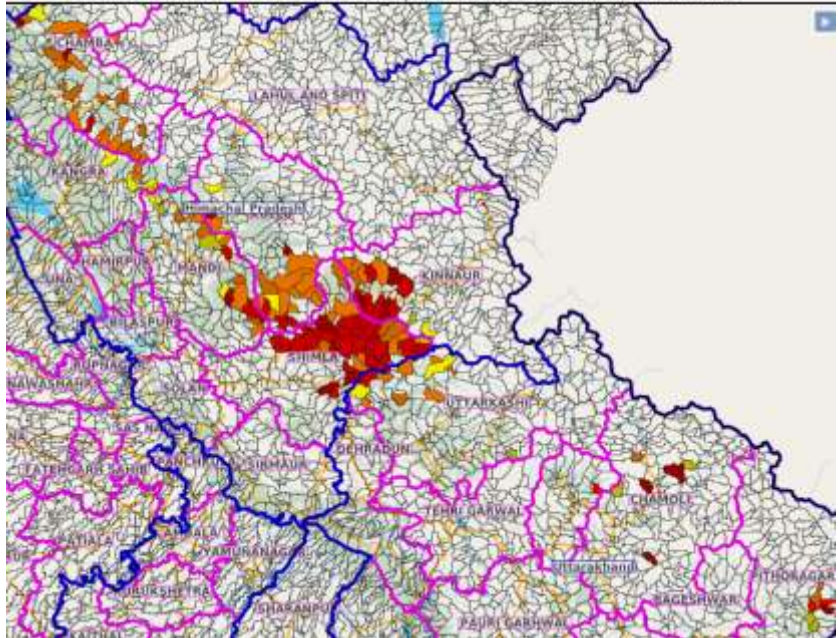
- ❖ काटी गई उपज को सुरक्षित जगहों पर ले जाएं या उपज को खेतों में तिरपाल शीट से ढक दें। कटी हुई फसलों को मज़बूती से बांधें और ढक दें ताकि तेज़ हवाओं से उनके हिलने का खतरा कम हो।
- ❖ बागवानी वाली फसलों को मैकेनिकल सपोर्ट दें और सब्जियों और छोटे फलों वाले पौधों / फल देने वाले पौधों को तेज़ हवाओं से गिरने से बचाने के लिए सहारा दें।

पशुधन / मुर्गी पालन / मछली पालन

- ❖ भारी बारिश के दौरान जानवरों को शेड के अंदर रखें और उन्हें संतुलित चारा दें।
- ❖ चारा और चारे को खराब होने से बचाने के लिए सुरक्षित जगह पर रखें।

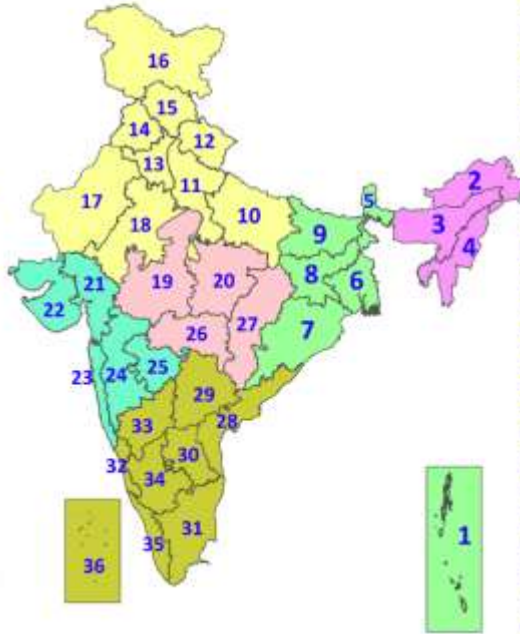
- ❖ तालाबों के चारों ओर सही जाल लगाकर एक आउटलेट बनाएं ताकि ज़्यादा पानी निकल जाए, जिससे ओवरफ्लो होने पर मछलियां बाहर न निकल सकें।

आकस्मिक बाढ़ की चेतावनी

12-08-2026 को 11:30 IST तक अचानक बाढ़ (Flash Flood) का खतरा (FFR): अगले 24 घंटों के दौरान नीचे दिए गए मौसम संबंधी उप-क्षेत्रों (Met Sub-divisions) के कुछ वॉटरशेड और आस-पास के इलाकों में अचानक बाढ़ का कम खतरा हो सकता है। हिमाचल प्रदेश: चंबा, कांगड़ा, मंडी, कुल्लू, शिमला और किन्नौर जिले उत्तराखंड: उत्तरकाशी, चमोली, रुद्रप्रयाग और पिथौरागढ़ जिले अगले 24 घंटों में होने वाली संभावित बारिश के कारण, नक्शे में दिखाए गए 'चिंता वाले क्षेत्रों' (AoC) में पूरी तरह से पानी से भरी मिट्टी और निचले इलाकों में सतह पर पानी बहने (surface runoff) या जलभराव (inundation) की स्थिति बन सकती है।	Product: WRF FFR Timescale: 24-hr Region: "INDIA" Product Date: 2026-08-11 06:00 UTC Valid Date: 2026-08-12 06:00 UTC 	
--	--	--

LEGENDS

1. अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह
2. अरुणाचल प्रदेश
3. असम और मेघालय
4. नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा
5. उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम
6. गंगीय पश्चिम बंगाल
7. ओडिशा
8. झारखंड
9. बिहार
10. पूर्वी उत्तर प्रदेश
11. पश्चिम उत्तर प्रदेश
12. उत्तराखंड
13. हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली
14. पंजाब
15. हिमाचल प्रदेश
16. जम्मू और कश्मीर और लद्दाख
17. पश्चिम राजस्थान
18. पूर्वी राजस्थान
19. पश्चिम मध्य प्रदेश
20. पूर्वी मध्य प्रदेश
21. गुजरात
22. सौराष्ट्र
23. कोंकण और गोवा
24. मध्य महाराष्ट्र
25. मराठवाड़ा
26. विदर्भ
27. छत्तीसगढ़
28. तटीय आंध्र प्रदेश और यनम
29. तेलंगाना
30. रायलसीमा
31. तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल
32. तटीय कर्नाटक
33. आंतरिक उत्तरी कर्नाटक
34. आंतरिक दक्षिणी कर्नाटक
35. केरल और माहे
36. लक्षद्वीप



1. Andaman & Nicobar Islands
2. Arunachal Pradesh
3. Assam & Meghalaya
4. Nagaland, Manipur, Mizoram & Tripura
5. Sub-Himalayan West Bengal & Sikkim
6. Gangetic West Bengal
7. Odisha
8. Jharkhand
9. Bihar
10. East Uttar Pradesh
11. West Uttar Pradesh
12. Uttarakhand
13. Haryana, Chandigarh & Delhi
14. Punjab
15. Himachal Pradesh
16. Jammu & Kashmir and Ladakh
17. West Rajasthan
18. East Rajasthan
19. West Madhya Pradesh
20. East Madhya Pradesh
21. Gujarat
22. Saurashtra
23. Konkan & Goa
24. Madhya Maharashtra
25. Marathwada
26. Vidarbha
27. Chhattisgarh
28. Coastal Andhra Pradesh & Yanam
29. Telangana
30. Rayalaseema
31. Tamilnadu, Puducherry & Karaikal
32. Coastal Karnataka
33. North Interior Karnataka
34. South Interior Karnataka
35. Kerala & Mahe
36. Lakshadweep

SPATIAL DISTRIBUTION (% of Stations reporting)

% Stations	Category	% Stations	Category
76-100	Widespread (WS/Most Places)	26-50	Scattered (SCT/A Few Places)
51-75	Fairly Widespread (FWS/Many Places)	1-25	Isolated (ISOL)



Fog



Heavy Snow



Cold Wave



Heavy Rain



Dust Storm



Cold Day



Very Heavy Rain



Heat Wave



Ground Frost



Extremely Heavy Rain



Warm Night



Thunder & Lightning



Hot Day



Hailstorm



Hot & Humid



Dust Raising Winds



Strong Surface Winds

COLOUR CODED WARNING

No Warning (No Action)

Watch (Be Aware)

Alert (Be Prepared To Take Action)

Warning (Take Action)

Probabilistic Forecast

Terms	Probability of Occurrence (%)
Unlikely	< 25
Likely	25 - 50
Very Likely	50 - 75
Most Likely	> 75

* Red colour warning does not mean "Red Alert", Red colour warning means "Take Action".

Forecast and Warning for any day is valid from 0830 hours IST of day till 0830 hours IST of next day.

For more details, kindly visit <https://mausam.imd.gov.in> or contact: 011-2434-4599

(Service to the Nation since 1875)

DEFINITION/CRITERIA

Rain/ Snow *	Heavy: 64.5 to 115.5 mm/cm * Very Heavy: 115.6 to 204.4 mm/cm * Extremely Heavy: > 204.4 mm/cm *
Heat Wave	When maximum temperature of a station reaches $\geq 40^{\circ}\text{C}$ for plains and $\geq 30^{\circ}\text{C}$ for hilly regions (a) Based on Departure from normal Heat Wave: Maximum Temperature Departure from normal 4.5°C to 6.4°C . Severe Heat Wave: Maximum Temperature Departure from normal $\geq 6.5^{\circ}\text{C}$ (b). Based on Actual maximum temperature Heat Wave: When actual maximum temperature $\geq 45^{\circ}\text{C}$. Severe Heat Wave: When actual maximum temperature $\geq 47^{\circ}\text{C}$ (c). Criteria for heat wave for coastal stations When maximum temperature departure is $> 4.5^{\circ}\text{C}$ from normal. Heat Wave may be described provided maximum temperature $\geq 37^{\circ}\text{C}$
Warm Night	When maximum temperature remains 40°C Warm Night: When minimum temperature departure 4.5°C to 6.4°C . Severe Warm Night: When minimum temperature departure $> 6.4^{\circ}\text{C}$.
Cold Wave	When minimum temperature of a station $\leq 10^{\circ}\text{C}$ for plains and $\leq 0^{\circ}\text{C}$ for hilly regions. (a). Based on departure Cold Wave: Minimum Temperature Departure from normal -4.5°C to -6.4°C . Severe Cold Wave: Minimum Temperature Departure from normal $\leq -6.5^{\circ}\text{C}$ (b) Based on actual Minimum Temperature (for Plains only) Cold Wave : When Minimum Temperature is $\leq 4.0^{\circ}\text{C}$ Severe Cold Wave: When Minimum Temperature is $\leq 2.0^{\circ}\text{C}$ (c) For Coastal Stations When Minimum Temperature departure is $\leq -4.5^{\circ}\text{C}$ & actual Minimum Temperature is $\leq 15^{\circ}\text{C}$
Cold Day	When minimum temperature of a station $\leq 10^{\circ}\text{C}$ for plains and $\leq 0^{\circ}\text{C}$ for hilly regions Based on departure Cold Day: Maximum Temperature Departure from normal -4.5°C to -6.4°C . Severe Cold Day: Maximum Temperature Departure from normal $\leq -6.5^{\circ}\text{C}$
Fog	Phenomenon of small droplets suspended in air and the horizontal visibility $< 1\text{km}$ Moderate Fog: When the visibility between 500-200 metres Dense Fog: when the visibility between 50- 200 metres Very Dense Fog: when the visibility < 50 metres
Thunderstorm	Sudden electrical discharges manifested by a flash of light (Lightning) and a sharp rumbling sound (thunder)
Dust/Sand Storm	An ensemble of particles of dust or sand energetically lifted to great heights by a strong and turbulent wind.
Frost	Ice deposits on ground Air temperature $\leq 4^{\circ}\text{C}$ (over Plains)
Squall	A strong wind that rises suddenly, lasts for atleast 1 minute. Moderate: Wind speed 52-61 kmph Severe: Wind speed 62-87 kmph Very Severe: Wind speed > 87 kmph
Sea State	Effect of various waves in the sea over specific area Rough to very rough: Wind speed 41-82 kmph (22-33 knots) & Wave height 2.5-6 metre High to very high: Wind speed 63-117 kmph (34-63 knots) & Wave height 6-14 metre Phenomenal: Wind speed > 117 kmph (> 63 knots) & Wave height > 14 metre
Cyclone	Cyclonic Storm: Wind speed 62-87 kmph (34-47 knots) Severe Cyclonic Storm: Wind speed 88-117 kmph (48-63 knots) Very Severe Cyclonic Storm: Wind speed 118-165 kmph (64 - 89 knots) Extremely Severe Cyclonic Storm: Wind speed 166-220 kmph (90 -119 knots) Super Cyclone Storm: Wind speed > 220 kmph (> 119 knots)

* Red colour warning does not mean "Red Alert", Red colour warning means "Take Action".
Forecast and Warning for any day is valid from 0830 hours IST of day till 0830 hours IST of next day.
For more details, kindly visit <https://mausam.imd.gov.in> or contact: 011-2434-4599
(Service to the Nation since 1875)